

राजपन्न, हिमाचल प्रदेश

(ग्रसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 23 नवम्बर, 2000/2 ग्रप्रहायण, 1922

हिमाचल प्रदेश सरकार

गृह विभाग

ग्रधिसूचना

शिमला-2, 10 नवम्बर, 2000

संख्या गृह् (ए०)-ए० (9)-15/2000-पार्ट.—पह अभिकथित है कि 25-9-2000 को कांगड़ा, जिला कांगड़ा में पत्रकार की पिटाई की घटना हुई और तत्रश्चात् पत्रकारों और अन्य के बीच में 3-11-2000 को कांगड़ा, जिला कांगड़ा में झगड़ा हुआ ;

श्रौर इन घटनाश्रों ने कानून श्रौर व्यवस्था की बावत गम्भीर जनसम्बद्धता उत्पन्न की है, जिसकी न्यायिक जांच की जानी श्रदेक्षित हो गई है;

, ग्रीर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि जनहित में यह समीचीन होगा कि उपर्युक्त घटनाग्रों की, जो सार्वजनिक महत्व का विषय हैं, जांच करने के लिए जांच ग्रायोग नियुक्त किया जाए ।

ग्रा: हिसाचत प्रदेश के राज्यपाल, जांच ग्रायोग ग्रिधिनियम, 1952 की ग्रारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, श्री जनेश्वर गोयल, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सिरमौर स्थित नाहन

255 4-राजपन / 2000-23-11-2000-1, 404. (4269) मूल्य : 1 रुपया।

को उपर्युक्त घटनाम्रों से सम्बन्धित निम्नलिखित विषयों पर जांच करने भ्रीर इस मधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन मास की भ्रविध के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए, जांच आयोग के रूप में नियुक्त करते हैं:--

- 1. 25-9-2000 को कांगड़ा में पत्नकार की कथित पिटाई की घटना के लिए परिस्थितियां ग्रीर घटनाएं।
- 2. 3-11 2000 को कांगड़ा में पत्रकारों और भ्रन्यों के बीच में झगड़ा होन की परिस्थितियां भौर घटनाएं।
- 3. उपर्युक्त से उदभूत सिफारिशें, यदि कोई हों।

स्रतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि इन सम्बन्ध में की जाने वाली जांच की प्रकृति तथा मामले की अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, जांच ग्रायोग ग्रिधिनियम, 1952 की धारा 5 की उप-धारा (2), (3), (4) ग्रीर (5) के उपबन्धों को ग्रायोग के लिए लागू किया जाए ग्रीर उपयुंक्त ग्रिधिनियम की धारा-5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए वे यह निदेश देते हैं कि उक्त ग्रिधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (2), (3), (4) ग्रीर (5) में श्रन्तिविष्ट उपबन्ध ग्रायोग को लागू होंगे।

जांच ग्रायोग का मुखालिय नाहन में होगा ग्रीर ग्रायोग ऐसे स्थानों पर जा सकेगा जो जांच को ग्रग्नसर करने के लिए भ्रावणक हो ।

ग्रादेश द्वारा,

ए० के० गोस्वामीः मुख्य सचिव ।

HOME DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 10th November, 2000

No. Home (A)-A (9)-15/2000-Part.—Whereas, it is alleged that an incident of beating of a Journalist took place at Kangra, District Kangra on 25-9-2000 and subsequently a confrontation took place between Journalists and others at Kangra, District Kangra on 3-11-2000;

AND WHEREAS, these incidents have caused serious public concern of law and order require judicial enquiry;

And now, whereas, the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that it would be expedient and in the public interest to appoint Commission of Inquiry to enquire into the aforesaid incidents which are the matters of public importance.

Now, THEREFORE, the Governor of Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in him under Sub-Section (I) of section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952, is pleased to appoint Shri Janeshwar Goel, District and Sessions Judge, Sirmaur at Nahan as the Commission of Inquiry to enquire into and report

on the following matters in relation to the aforesaid incidents within a period of 3 months from the date of publication of this notification:—

- (1) Circumstances and happenings leading to the alleged incident of beating of a Journalist at Kangra on 25-9-2000.
- (2) Circumstances and happenings leading to the confrontation between Journalists and others at Kangra on 3-11-2000.
- (3) Recommendations arising out of the above, if any.

Further, the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that having regard to the nature of the inquiry to be conducted and other circumstances of the case. the provisions of sub-sections (2), (3), (4) and (5) of section 5 of the Commission of Inquiry Act, 1952, should be made applicable to the Commission and in exercise of the powers vested in him under sub-section (1) of section 5 of the aforesaid Act is pleased to direct that the provisions contained in sub-sections (2), (3), (4) and (5) of Section 5 shall apply to the Commission.

The Commission shall have its headquarters at Nahan and may visit such places as may be necessary in the furtherance of the Inquiry.

By order,

A. K. GOSWAMI, Chief Secretary.